

an>

Title: Need to introduce language, humanities and agriculture courses at graduate and post graduate level in University of Nalanda, Bihar and also set up study centres of Nalanda University at various places in Nalanda.

श्री कौशलेद्र कुमार (नालंदा) ः नव नालंदा महाविहार (मानद विश्वविद्यालय) कला संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नालंदा, जो नालंदा विश्वविद्यालय के पास अवस्थित है, 13 नवम्बर, 2006 को यू.जी.सी. द्वारा इसे डीम्ड यूनिवर्सिटी की मान्यता प्राप्त हुई। इस विश्वविद्यालय में कुछ विषय जैसे- हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, पाली, इतिहास, दर्शन-शास्त्र, तिब्बती, चाईनीज एवं जापानी आदि विषय की ही मात्र पढ़ाई होती है। जबकि इसका कैम्पस बहुत बड़ा है। यहाँ उच्चतम शिक्षा की पढ़ाई के लिए काफी अच्छी व्यवस्था बनी हुई है।

अतः केन्द्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विषयों में वृद्धि की जाए। भाषा मानविकी के साथ-साथ कृषि विषयों की भी पढ़ाई स्नातक एवं स्नातकोत्तर के लिए व्यवस्था की जाए। आजकल सरकार जी.एस.टी. की भी पढ़ाई का पाठ्यक्रम तैयार कर रही है। इसकी भी पढ़ाई विश्वविद्यालय में होनी चाहिए। इससे नव नालंदा महाविहार (मानद विश्वविद्यालय) का महत्व बढ़ेगा और साथ ही एक स्थान एवं कैम्पस में अधिक से अधिक विद्यार्थी उच्चतर शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। इसके साथ नव नालंदा महाविहार के अध्ययन केन्द्र की शाखा नालंदा के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ाई जाए, जिससे वहाँ के स्थानीय विद्यार्थियों को भी लाभ मिल सके।